पी जी आई द्वारा हिंदी दिवस पर लघु नाटक का आयोजन

पी जी आई द्वारा हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में लघु नाटिका 'मंजिलें' का मंचन किया जा रहा है. पी जी आई के नाट्य दल द्वारा महाविद्यालय प्रांगण में हिंदी दिवस की पूर्व संध्या पर १३ सितम्बर २०१२ को प्रस्तुत किये जाने वाले नाटक का निर्देशन पंकज पंडित ने किया है तथा इसमें अभियांत्रिकी शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्र व्यंग्यतमक शैली में अभियांत्रिकी शिक्षा की बातों को मंचित करेंगे.

POORNIMA
GROUP OF COLLEGES

लाड़ली बेटी है ये हिन्दी
- मृणालिनी घुले

संस्कृत की एक लाड़ली बेटी है ये हिन्दी।
बहनों को साथ लेकर चलती है ये हिन्दी।
सुंदर है, मनोरम है, मीठी है, सरल है,
ओजस्विनी है और अनूठी है ये हिन्दी।
पाथेय है, प्रवास में, परिचय का सूत्र है,
मैत्री को जोड़ने की सांकल है ये हिन्दी।
पढ़ने व पढ़ाने में सहज है, ये सुगम है,
साहित्य का असीम सागर है ये हिन्दी।

तुलसी, कबीर, मीरा ने इसमें ही लिखा है,
कवि सूर के सागर की गागर है ये हिन्दी।
वागेश्वरी का माथे पर वरदहस्त है,
निश्चय ही वंदनीय मां-सम है ये हिंदी।
अंग्रेजी से भी इसका कोई बैर नहीं है,
उसको भी अपनेपन से लुभाती है ये हिन्दी।
यूं तो देश में कई भाषाएं और हैं,
पर राष्ट्र के माथे की बिंदी है ये हिन्दी।